3rd Term Worksheet [2018 – 19]

Subject – Hindi

Class – VII

Name : **Sec. :**

[Hindi Language]

पाठ – 12
(वाक्य विचार)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 65)**

क. वाक्य किसे कहते है? उसके कितने अंग होते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ख. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. निषेधवाचक वाक्य से आप क्या समझते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. संदेहवाचक और संकेतवाचक वाक्य में क्या अंतर है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य और विधेय अलग करो– **(पृष्ठ सं065)**

	वाक्य	उद्देश्य	विधेय
क.	मेरी बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है।	....	....
ख.	सूर्य प्रकाश देता है।	....	....
ग.	रीता पत्र लिखती है।	....	....
घ.	विद्यार्थी स्कूल जा रहे हैं।	....	....
ङ.	श्रीनगर एक दर्शनीय स्थल है।	....	....

3. कोष्ठक में दिए गए संकेतानुसार वाक्यों में परिवर्तन करके पुनः लिखो– **(पृष्ठ सं0 65)**

क. निशा नृत्य करती है। (प्रश्नवाचक वाक्य)

....

ख. आप आ गए। (विस्मयवाचक वाक्य)

....

ग. रवि प्रातः भ्रमण के लिए गया। (निषेधवाचक वाक्य)

....

घ. आज वर्षा होगी। (संदेहवाचक वाक्य)

....

ङ. सुरेश विद्यालय जाता है। (आज्ञावाचक वाक्य)

....

5. अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद पहचानकर लिखो– **(पृष्ठ सं0 66)**

क. शायद मैंने तुम्हें कहीं देखा है। ....

ख. ईश्वर आपको परिश्रम का फल दे। ....

ग. अहा! कितना सुंदर मोर है। ....

घ. रामू एक गिलास पानी लाओ। ....

ङ. यदि वर्षा होती तो फ़सल अच्छी होती। ....

4. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 66)**

क. 'तुम्हारा कल्याण हो।' यह वाक्य है–

1. संदेहवाचक ☐ 2. इच्छावाचक ☐ 3. आज्ञावाचक ☐

ख. जिसके बारे में कुछ जाए, उसे कहते हैं–

1. उद्देश्य ☐ 2. विधेय ☐ 3. वाक्य ☐

ग. एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय वाला वाक्य कहलाता है–

1. सरल वाक्य ☐ 2. मिश्रित वाक्य ☐ 3. संयुक्त वाक्य ☐

घ. 'रीता कह रही थी कि तुम दिल्ली जा रहे हो।' यह वाक्य है–

1. संयुक्त वाक्य ☐ 2. सरल वाक्य ☐ 3. मिश्रित वाक्य ☐

ङ. 'जो परिश्रम करेगा वो सफल होगा।' यह वाक्य है–

1. संदेशवाचक वाक्य ☐ 2. संकेतवाचक वाक्य ☐ 3. इच्छावाचक ☐

विपरीतार्थक शब्द

तटस्थ	....	दानी	....
दूषित	....	दीर्घ	....
दुष्कर	....	निंदा	....
निरक्षर	....	नैसर्गिक	....
ऋजु	....	प्रवृत्ति	....
पंडित	....	परकीय	....
पठित	....	बहिरंग	....
लोक	....	विपन्न	....
शोषण	....	ज्ञेय	....
मूक	....	मानव	....
मृदुल	....	मुख्य	....
युद्ध	....	रक्षक	....
लौकिक	....	भूत	....
विस्तार	....	शुष्क	....
सृष्टि	....		

पर्यायवाची शब्द

बादल ....

भाग्य ....

महादेव ....

मोक्ष ....

मित्र ....

मदिरा ....

मुखिया ....

मूर्ख ....

मेहनती ....

युद्धभूमि ....

युवक ....

रक्त ....

रात्रि ....

रोगी ....

लक्ष्मी ....

वन ....

शत्रु ....

सेवक ....

सुगंध ....

साँप ....

अनेकार्थी शब्द

धार ....

नाक ....

निशाचर ....

नाग ....

पर ....

पत्र ....

पास ....

पात्र ....

पयोधर ....

पाठ ....

फल ....

फूटना ....

बंधन ....

बाल ....

भेद ....

अपठित गद्यांश

आज वैज्ञानिक यंत्रों और सुख–सुविधाओं के कारण मनुष्य निकम्मा और आलसी होता जा रहा है। मनुष्य केवल मशीनों का दास बनकर रह गया है। भौतिक भोग के पीछे मनुष्य भाग रहा है। स्वार्थ, लोभ, क्रूरता, दंभ, बर्बरता आदि राक्षसी प्रवृत्तियाँ पनप रही हैं। मनुष्य आज में त्याग, स्नेह, करुणा, सहानुभूति, सत्य, अंहिसा आदि सद्‌गुणों का निरंतर अभाव होता जा रहा है। मानव के रूप में वह दानव होता जा रहा है।

प्र0 निम्नलिखत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प चुनो– (पृष्ठ सं0 109–110)

क. मनुष्य निकम्मा और आलसी क्यों होता जा रहा है?

1. वैज्ञानिक यंत्रों के कारण 2. आधुनिक सुख–सुविधाओं के कारण
3. उपर्युक्त दोनों के कारण

ख. मनुष्य में किन गुणों का अभाव होता जा रहा है?

1. त्याग, स्नेह, करुणा, सत्य, अंहिसा 2. स्वार्थ, लोभ, क्रूरता, दंभ
3. उपर्युक्त दानों

ग. 'सद्‌गुण' का विलोम क्या होगा?

1. अवगुण 2. दुर्गुण 3. निर्गुण

घ. 'अंहिसा' शब्द में उपसर्ग है–

1. अहि 2. आ 3. अ

अपठित गद्यांश

भारतीय ग्राम्य जीवन सादगी और प्राकृतिक शोभा का भंडार है। अधिकांश ग्रामवासी किसान है। कड़ा परिश्रम, सरल स्वभाव, उदार हृदय और जो मिल जाए, उसी में संतोष कर लेना उनकी अपनी विशेषताएँ हैं। किसान स्वभाव से निश्छल होते हैं। गाय व बैल को पूजते हैं सभी के पेट भरकर और तन ढककर भी स्वयं रूखा–सूखा खा लेते हैं। कोई अतिथि आ जाए तो हृदय खोलकर उसका सत्कार करते हैं।

प्र0 निम्नलिखत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प चुनो– (पृष्ठ सं0 110)

क. 'अधिकांश' शब्द का उचित विग्रह है–

1. अधि+कांश 2. अधिक+अंश 3. अधिकां+श

ख. किसान का क्या विशेषताएँ होती हैं?

1. किसान कड़ा परिश्रम करते हैं 2. जो मिल जाए उसी में संतोष कर लेते हैं

3. उपर्युक्त दोनों

ग. किसान स्वभाव से कैसे होते हैं?

1. निश्छल होते हैं 2. कपटी होते हैं 3. अंहकारी होते हैं

घ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा–

1. ग्रामवासी 2. भारतीय किसान 3. किसान की विशेषताएँ

वाक्यांश के लिए एक शब्द

1. जिसका प्रयोग व्यर्थ न जाए ....
2. सबको समान दृष्टि से देखने वाला ....
3. जिस भोजन में माँस हो ....
4. जिस भोजन में माँस न हो ....
5. जिसके समान दूसरा न हो ....
6. जिसका इलाज न हो सके ....
7. जो क्षमा न किया जा सके ....
8. जो कर्म न करे ....
9. पति–पत्नि का जोड़ा ....
10. जिसके दश मुख (आनन) हों ....
11. जो देखने वाला हो ....
12. दुख देने वाला ....
13. अनुचित बात का आग्रह ....
14. जिस पर विजय पाना कठिन हो ....
15. जो कठिनाई से मिलता है ....
16. द्रुत गति से चलने वाला ....
17. जो द्वार की रक्षा करता है ....
18. आकाश में विचरण करने वाला ....
19. जिसपर नियंत्रण किया गया हो ....
20. जिसका कोई आकार न हो ....

पाठ –15
(विराम चिह्न)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 46)**

क. विराम चिह्न किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाओ।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ख. निर्देशक चिह्न का प्रयोग कहाँ किया जाता है? उदाहरण देकर समझाओ।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. निम्नलिखित विराम के चिह्न बताओ— **(पृष्ठ सं0 82)**

क. कोष्ठक चिह्न ....

ख. योजक चिह्न ....

ग. लाघव चिह्न ....

घ. उद्धरण चिह्न ....

ङ. हंसपद चिह्न ....

3. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम चिह्न लगाओ— **(पृष्ठ सं0 82)**

क. व्यायाम कसरत या एक्सरसाइज सभी का एक ही अर्थ है

ख. मानव जीवन के लिए खेल—कूद का बहुत महत्व है

ग. शाबाश ऐसे ही उन्नति करते रहो

घ. सुभाषचंद्र बोस ने कहा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा

ङ. मोहन आज रात की बस से अपने गाँव जाएगा

<u>समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द</u>

1.	चित	....	2.	छत्र	....
	चित्त	....		छात्र	....
3.	तर	....	4.	दंश	....
	तरु	....		दश	....
5.	दारु	....	6.	धरा	....
	दारू	....		धारा	....
7	नकल	....	8	नशा	....
	नकुल	....		निशा	....
9.	नीरज	....	10.	पता	....
	नीरद	....		पत्ता	....
11.	प्रदेश	....	12.	सती	....
	परदेश	....		शती	....
13.	सर	....	14	हल्	....
	शर	....		हल	....
15.	हरण	....			
	हरिण	....			

पत्र

उत्तीर्ण होने पर पिता जी को पत्र

पत्र

जुर्माना माफ़ करवाने के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना–पत्र।

निबंध

कंप्यूटर बिन सब सून

निबंध

आर्दश विद्यार्थी

कहानी / चित्रलेखन

रंगा सियार

शब्दों के सही रूप

मठ्ठा	....	मुनीगण	....
महाबलि	....	महत्व	....
मीठाई	....	विरहणी	....
वीना	....	विशभंर	....
वैधव	....	विधालय	....
विस्मै	....	व्योपर	....
वस्तूओं	....	सीड़ियों	....
शांती	....	शेश	....
सामर्थ	....	स्वाथ्य	....
श्रोत	....	श्राप	....

मुहावरे

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग करें– **(पृष्ठ सं0 100–102)**

1. एक आँख से देखना – ....

....

....

2. एड़ी–चोटी का पसीना एक करना – ....

....

....

3. ऐसी की तैसी करना – ....

....

....

4. कच्चा चिठ्ठा खोलना – ....

....

....

5. कली खिलना – ....

....

....

6. कलेजा मुँह को आना– ....

....

....

7. कलेजे पर साँप लोटना–..

....

....

8. काँटा दूर होना–..

....

....

9. काजल की कोठरी– ....

....

....

10. कान खोलना – ....

....

....

11. कान में तेल डाले बैठना– ....

....

....

12. काम तमाम करना – ....

....

....

13. किरकिरा हो जाना – ....

....

....

14. किस्मत फूटना – ....

....

....

लाकोक्तियाँ

निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग करें– **(पृष्ठ सं0 102)**

1. नाम बड़े दर्शन छोटे – ....

....

....

2. पाप का घड़ा भरकर डूबता है – ....

....

....

3. बिल्ली के भाग्य ये छींका टूटा– ....

....

....

4. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद– ....

....

....

5. भागते भूत की लँगोटी ही सही– ....

....

....

6. भैंस के आगे बीन बजाए, भैंस खड़ी पगुराय – ....

....

....

7. मुँह में राम बगल में छूरी – ....

....

....

8. रस्सी का साँप बन गया– ....

....

....

9. सावन हरे न भादों सूखे – ....

....

10. हर मर्ज़ की दवा है – ....

....

अपठित पद्यांश

''मैं बचपन को भुला रही थी
बोल उठी बिटिया मेरी।
नंदन–वन–सी फूल उठी वह,
छोटी–सी कुटिया मेरी।

पाया बचपन मैंने फिर से
बचपन बेटी बन आया।
उसकी मंजुल मूर्ति देखकर,
मुझमें नव–जीवन आया।।''

प्र0 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प चुनो– (पृष्ठ सं0 111)

क. कवयित्री ने अपना बचपन किस रूप में पाया?

1. कुटिया के रूप में 2. बेटी के रूप में 3. फूल के रूप में

ख. 'मंजुल' का समानार्थी है–

1. सुंदर 2. अनोखी 3. उत्तम

ग. छोटी–सी झोंपड़ी किसके समान खिल उठी?

1. उपवन के समान
2. फूल के समान
3. सुंदर बगीचे के समान

घ. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक होगा–

1. मेरी बचपन 2. नव जीवन 3. छोटी–सी कुटिया

[Hindi Literature]

पाठ – 17
(हिम्मत और ज़िंदगी)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 10)**

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
कंठ	–	....	खौफ़	–	....
विपरीत	–	....	भ्रम	–	....
उपवास	–	....	परमार्थ	–	....
संकटों	–	....	परास्त	–	....
अधिकांश	–	....	जोखिम	–	....
सिफ़त	–	....	मकसद	–	....
आम्र	–	....	अंतराल	–	....
कामना	–	....	मद्धिम	–	....
निर्झरी	–	....	मगन	–	....
चुनौती	–	....	श्रेष्ठ	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(पृष्ठ सं0 97)**

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है किवह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखनेवाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं?''

क. साहस की ज़िंदगी कैसी होती है?

उ0 ....

....

....

ख. साहसी मनुष्य की क्या पहचान है?

उ0 ....

....

....

....

ग. 'निडर' और 'बेखौफ़' में कौन–सा उपसर्ग लगा है?

उ0 ....

....

....

घ. उपर्युक्त गद्यांश का लेखक का नाम बताओ।

उ0 ....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं0 97)**

क. ज़िंदगी का असली मज़ा किसे प्राप्त होता है?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. अकबर ने किस कारण से अपने पिता के दुश्मन को परास्त कर दिया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ग. महाभारत में पांडवों की जीत के पीछे क्या कारण था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

घ. क्रांति करनेवाले लोगों की क्या विशेषता होती है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ङ. अर्नाल्ड बेनेट के अनुसार कौन से लोग सुखी नहीं होते?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करिए— **(पृष्ठ सं0 97)**

क. .... ये आराम के साधन नहीं है।

ख. महाभारत में देश के प्रायः .... वीर कौरवों के पक्ष में थे।

ग. ज़िंदगी की सबसे बड़ी सिफ़त .... है।

घ. अड़ोस—पड़ोस को देखकर चलना, यह .... का काम है।

ङ. दुनिया में जितने भी मज़े बिखेरे गये हैं, उनमें तुम्हारा भी .... है।

<u>पाठ – 18</u>
<u>(काशीराज का न्याय)</u>

1. शब्दार्थ —: **(पृष्ठ सं0 105)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
अंतःपुर	–	....	प्रतिनिधि	–	....
पर्व	–	....	दुष्कर्म	–	....
दर्शनीय	–	....	मर्यादा	–	....
ब्रह्म मुहूर्त	–	....	उत्पीड़न	–	....
अभागिन	–	....	लज्जित	–	....
नेपथ्य	–	....	विसर्जित	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(पृष्ठ सं0 105)**

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''नहीं, मुझे प्रजा को नहीं देखना है। मुझे तो एकांत चाहिए। दासियों के अलावा घाट पर कोई दिखाई न पड़े।''

क. उपर्युक्त कथन की वक्ता और श्रोता कौन हैं?

उ0 ....

....

....

ख. वक्ता किस पर्व में जाने की इच्छुक हैं?

उ0 ....

....

....

ग. वक्ता का स्वभाव किस तरह का है?

उ0 ....

....

....

....

घ. वह प्रजा से मिलने की इच्छुक क्यों नहीं हैं?

उ0 ....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं0 105)**

क. माघ पूर्णिमा का क्या महत्व बताया गया है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ख. महारानी करुणा के स्नान के लिए क्या व्यवस्था की गई?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. महारानी ने अपनी सरदी दूर करने का क्या उपाय बताया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. महाराज ने महारानी करुणा को क्या दंड दिया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ङ. महाराज और महारानी के चरित्र पर टिप्पणी करते हुए तीन–तीन पंक्तियाँ लिखिए।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. पाठ में से (ि) और (्र) र के रूपवाले शब्दों की सूची बनाकर शुद्ध उच्चारण कीजिए–(पृष्ठ सं0 106)

(र्) : ....

....

(्र) : ....

....

पाठ – 22
(वीर बालक)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 125)**

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
प्रभात	–	....	हिमाद्रि	–	....
आलोक	–	....	सुरभि	–	....
नवल	–	....	धरणी	–	....

अचल – .... प्रसू – ....

प्रहरी – .... जुल्म – ....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(पृष्ठ सं0 125)**

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

अ. हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के,
सुरभि स्वर्ग की लेते हैं।
हम हैं शांति–दूत धरणी के,
छाँह सभी को देते हैं।।

क. वीर बालक स्वयं को किसका प्रहरी बताता है?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. शांति–दूत बनने से क्या आशय है?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. सभी को छाँह किस प्रकार मिल सकती है?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए– प्रहरी, हिमाद्रि, धरणी, सुरभि।

उ0 ....

....

....

....

ब. वीर प्रसू माँ की आँखों के,..........

क. हम किस माँ की संतान हैं?

उ0 ....

....

ख. हम माँ के प्रति अपने कर्तव्यों को कैसे पूरा कर सकते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. इस कविता के रचयिता कौन हैं? कविता के माध्यम से वे संदेश दे रहे हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

घ. गंगा, यमुना, हिंद महासागर क्या हैं? उनकी रक्षा हमें किस प्रकार करनी हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—** **(पृष्ठ सं0 126)**

क. कवि भारतवासियों को प्रभात की किरण क्यों कह रहा है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. अच्छे संस्कार कैसे आते हैं? बच्चों में उन्हें कौन पैदा करता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. भारत के रखवालों को किन गुणों से युक्त होना चाहिए?

उ0 ....

....

....

....

....

....

घ. शिवाजी और राणा प्रताप की कौन–सी विशेषता कवि ने बताई है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ङ. संपूर्ण कविता का सार लिखिए।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....